वार्षिक रिर्पोट 2023-24

"......46 वर्षों से अन्त्योदय हेतु समर्पित"

CERTIFIED COPY

Akhil Bhartiya Samaj Sewa Sansthan
Director
Chitrakoot

अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान

भारत जननी परिसर, रानीपुर भट्ट, सीतापुर
जनपद- चित्रकूट (उ.प्र.) - 210204
दूरभाष- +91-9415310662
ईमेल-abssscktgmail.com

अध्यक्षीय उदगार

समाज के सभी जागरूक जनों का हार्दिक स्वागत करते हुए वर्ष 2023–24 का संक्षिप्त वृत्त निवेदन अवलोकनार्थ तथा मार्गदर्शन हेतु प्रस्तुत है। देश के सर्वाधिक पिछड़े जिलों में (बाँदा–चित्रकूट–उ0प्र0) काम करना, फल परिणाम देना कितना कठिन कार्य है, इसका अनुभव तो क्षेत्र में कार्यरत, संघर्षरत कार्यकर्ता ही जान सकते हैं। मुझे संस्थान के सभी साथियों पर गर्व है कि उनके परिश्रम, तप, त्याग के कारण ही आज सुदूर गाँवों, वनान्चल में जो कार्य खडा हुआ है, वह अनुकरणीय तथा अभिनन्दनीय है।

किसी संस्था की शक्ति उसके समर्पित स्वयं सेवक होते हैं। उस दृष्टि से हमारी प्रबन्ध समिति संतुष्ट तथा प्रसन्न है कि उसके पास ऐसा सक्षम कार्यकर्ता समूह है। मैं उन सभी सहयोगी, दानवीरों, दाता संगठनों का आभारी हूँ कि उन्होंने हम पर विश्वास किया है, हमे सहयोग दे रहे हैं। सहयोग ही नहीं समय–समय पर मार्गदर्शन एवं क्षमतावृद्धि के क्षेत्र में भी उनका सहयोग प्राप्त होता रहता है।

CERTIFIED COPY

Akhil Bhartiya Samaj Sewa Sansthan Director Chitrakoot

राजेश सिन्हा
अध्यक्ष

निदेशक निवेदक

वर्ष 2023-24 के संक्षिप्त प्रयास आपके सामने हैं। वर्तमान में चित्रकूट तथा बाँदा जनपदों में संस्थान विविध प्रकल्पों का संचालन कर रहा है। उत्साह, उमंग तथा स्वप्रेरणा से परिपूर्ण साथियों का समूह, अहर्निश कार्य करते हुए मानवीय चेतना सम्पन्न समूह के निर्माण में योगदान दे रहा है। अन्तिम समूह को समाधान देना, उनकी यह सबसे बढी उपलब्धि भी है। सर्वविदित है कि चित्रकूट का पठारी क्षेत्र विसंगतियों का गढ रहा है। अभाव, उपेक्षा, विषमता के साथ–साथ सरकारी योजनाएं यहां दम तोडती रही हैं। सामन्तवाद के वीभत्स स्वरूप यहां देखे गये हैं। अशिक्षा, शिक्षा की गुणवत्ता, पेयजल, कुपोषण, कंकरीली पथरीली भूमि, दस्यु सामन्तवाद यहां की विकराल समस्या रही है। ऐसी परिस्थिति में स्वयं सेवी भाव से कार्य करना तथा कार्य को टिकाए रखना कठिन चुनौती रही है। आज भी अभी बहुत कुछ करना शेष है। प्रसन्नता का विषय है कि हमारे लोग टिके हैं, डिगे नहीं। सफलता के कीर्तिमान स्थापित करते हुए चुनौतियों को चुनौती देते हुए, निडर भाव से स्वयं सेवक आगे बढ रहे हैं। हम समाज को विश्वास दिलाते है कि हम प्रामाणिकता के साथ कार्य करते हुए, समाज से प्राप्त धन का सदुपयोग कर रहे है, आगे भी करेगें। आप हमें आशीषें, प्रेरणा दें, मार्गदर्शन तथा सहयोग करें, हम आपको फल परिणाम देंगें।

राष्ट्रदीप
निदेशक

CERTIFIED COPY

Akhil Bhartiya Samaj Sewa Sansthan
Director
Chitrakoot

संस्थापक गोपाल भाई

23 मार्च, 1978 को श्रेय–प्रेय से दूर रहते हुए संस्था के रूप में अन्त्योदय का ध्येय लेकर हम चल पड़े। पूरा बुन्देलखण्ड सूखे की चपेट में था। खाद्यान्न योजनान्तर्गत कार्य प्रारम्भ हुआ। कुछ तालाब, कुओं की गहराई, मरम्मत के कार्य हुए। आपात अवस्था की काली छाया से चित्रकूट का पठारी क्षेत्र भी अछूता नहीं था। वनवासी कोलों का दासतापूर्ण जीवन देखकर मन आक्रोश से भर गया। साथियों की टोलीगाँव–गाँव घूमने लगी। पत्रकारों की 9 दिन की पद यात्रा ने देश दुनिया की आंखे खोली। सुप्रसिद्ध पत्रकार भारत डोगरा का निरन्तरता पूर्वक आना–जाना बना। प्रशासन जागा। बन्धुआ खोज, पुनर्वास का कार्य एक दशक तक चला। बन्धुवा परिवारों की गायब भूमि वापस मिली। शिक्षा संस्कार का अभियान चला। गाँव–गाँव विद्यालय संचालित हुए। शिक्षा, परिवार, समाज की मुक्ति का आधार बनी। साक्षरता, जागरूकता, समझदारी का प्रतिशत बढ़ा। अत्याचार, अनाचार, शोषण, उत्पीड़न में कमी आई। लक्ष्य समूह में नेतृत्व खड़ा हुआ। संस्था के कदम चित्रकूट के साथ–साथ टीकमगढ़ (म0प्र0) हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर, सोनभद्र, बांदा तथा अनूपपुर (म0 प्र0) तक बढ़े। जल, जमीन, जंगल, वन, जन के तमाम कार्य इन जनपदों में सम्पन्न हुए। प्रान्तीय तथा राष्ट्रीय स्तर के संगठनों के संगठन के साथ सहभागिता हुई। पैरवी के कार्य ने एक बड़े क्षेत्र को आच्छादित किया। अन्त्योदय परिवारों के बच्चों को शिक्षा संस्कार से जोड़ने का अभियान संस्था के जन्मकाल से आज भी निरन्तरता पूर्वक चल रहा है। शिक्षा को सर्वागींण विकास का माध्यम मानते हुए संस्थान ने जल प्रबन्धन, जल संग्रहण का सन्तोष जनक कार्य अनेक स्थानों एवं जिलों में क्रियान्वित किया। इस हेतु संस्थान को देश में पहला किन्तु दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। जल प्रबन्धन ही नही पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में आज 12 एकड़ का सार्वजनिक फलोद्यान टिकरिया में सबको आकर्षित कर रहा है। 30 एकड़ अनुपयोगी ऊँची–नीची, ककरीली, पथरीली जमीन को घेरवाड़ कर पौधरोपण का कार्य पाटिन (इटवां) तथा बंबिहा में सम्पन्न हुआ। आज यह स्थान धीरे–धीरे वन का रूप ले रहा है। तालाब तथा पेयजल कूपों की असंख्य संख्या संस्थान परिवार को बल प्रदान कर रही है। अति संक्षेप में ये कहा जा सकता है कि संस्थान ने अब तक बन्धुआ मुक्ति, महिला मुक्ति, गरीबों के प्राकृतिक संसाधनों भूमि आदि की मुक्ति का जोखिम भरा साक्षरता तथा समझ बढ़ाने का व्यापक कार्य करते हुए आज जल संरक्षण, भूमि संरक्षण, प्राकृतिक कृषि, आजीविका मानवीय चेतना का कार्य संस्थान की मंजिल बन चुका है। इतना ही नहीं, अपितु मानव को प्रकृति की गोद के पास लाने हेतु, अनाम, उपेक्षित पड़े प्राकृतिक स्थानों को तत्कालीन जिला प्रशासन प्रमुख जिलाधिकारी श्री जगन्नाथ सिंह के सहयोग से शबरी प्रपात (पूर्व मरघट), रामकुण्ड–वनवासी हनुमान एवं राघव प्रपात जैसे नाम देकर, दिलाकर पर्यावरण सुरक्षा तथा पर्यटन विकास का बड़ा कार्य भी संस्थान की ऐतिहासिक देन है। 10 एकड़ का टिकरिया उद्यान भी वन विहार हेतु आमंत्रित कर रहा है।

CERTIFIED COPY

Director
Akhil Bhartiya Samaj Sewa Sansthan
Chitrakoot

कृतज्ञता

अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए समर्पित है। ये संस्थान किसी एक व्यक्ति या परिवार का नहीं है। अन्त्योदय के लिए समर्पित साथियों का यह एक समूह है, जो निष्ठा, लगन, समर्पण से अर्हनिश लक्ष्य प्राप्ति हेतु आगे बढ़ रहा है। ऐसे साथियों को पाकर मन कृतज्ञता से भर उठता है। जिन दाता संगठनों ने समय–समय पर हमें आर्थिक सहयोग प्रदान किया है, उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता। आज जिनके नाम का उल्लेख कर हमें प्रसन्नता हो रही है वे इस प्रकार हैं :

1- नाबार्ड

2- सृजन

3- उत्तर प्रदेश मण्डल ऑफ अमेरिका (उपमा)

4- अग्रवाल फाउण्डेशन

5- इण्डियन फॉर कलेक्टिव एक्शन (ICA)

आलोक : आप अपने धन का सार्थक सदुपयोग चाहते हैं, शिक्षा यज्ञ में सहभागी बनना चाहते हैं, सत्य–निष्ठा, प्रामाणिकता का दर्शन चाहते हैं तो कृपया हमारे साथ आयें, पास आये। हम आपको संतुष्टि, शान्ति तथा सुख का आधार देंगे।

संस्थापक -
श्री गोपाल भाई (गया प्रसाद गोपाल)

संरक्षक एवं मार्गदर्शक -
1. श्री प्रकाश अग्रवाल

प्रबन्धक मण्डल-

श्री राजेश सिन्हा - अध्यक्ष

डा. अर्चना भारती - उपाध्यक्ष

श्री लल्लू राम शुक्ल - महामंत्री

श्री राजा भईया - सहमंत्री

श्री राष्ट्रदीप - निदेशक

श्री रामबहोरी विद्यार्थी कोषाध्यक्ष

श्री रामरूप सिंह - सदस्य

श्री अशोक कुमार सिंह - सदस्य

श्री राहुल शर्मा - सदस्य

डा. राजश्री दीपक गोहदकर - सदस्य

श्री इरशाद अहमद - सदस्य

श्री सूरजदीन - सदस्य

श्रीमती मधुरा फडनिस - सदस्य

श्री भीम कोल - सदस्य

श्री शिवसरन - सदस्य

कोर टीम-
1. श्री त्रिवेणी प्रसाद
2. श्री विजय सिंह
3. श्री धीरेन्द्र पाण्डेय
4. श्री विश्वदीप
5. श्री अरविन्द कुमार

CERTIFIED COPY

Samaj Sewa Sansthan
Director
Chitrakoot

प्रस्तावना-

अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान अपने सहयोगियों के माध्यम से बुंदेलखंड में आदिवासी, दलितों और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध, एक स्वैच्छिक संगठन है। संस्थान,उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले में स्थित है और पूरे उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में फैले बुंदेलखंड में सक्रिय है। संस्थान नेमुख्य रूप से कोल, वनवासी, उपेक्षित और दलितों के आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास को पुनर्जीवित किया है। उन्होंने अपने शोषण और बंधन को चुनौती देना शुरू कर दिया है और अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए संसाधनों को तेजी से नियंत्रित कर रहे हैं।

23 मार्च 2024 में, संस्थान ने बुंदेलखंड में अपनी सक्रियता के 46 साल पूरे किए।

हमारा ध्येय:

दरिद्रता, शोषण, उत्पीड़न, बंधुआपन का जीवन जीने वाले, प्रकृति की गोद में पले, बसे, बढ़े एवं रचे होने के बाद भी वन सम्पदा से वंचित, शिक्षा-चिकित्सा, जनकल्याणकारी सरकारी योजनाओं की ओर से उपेक्षित, मानवाधिकारों की परिधि से दूर, विषम विसंगतियों के शिकार, **लक्ष्य समूह को स्वाभिमानपूर्ण जीवन जीने हेतु अभिप्रेरित / स्पंदित करना, उचित अवसर का सृजन करना।**

हमारा लक्ष्य तथा दर्शन:

'अन्त्योदय' अर्थात अंतिम व्यक्ति का उदय हमारा दर्शन है।"एक समृद्ध समाज को देखना, जहां सभी को समानता, सामाजिक न्याय तक पहुंच और बेहतर आजीविका के अवसर मिले" हमारा लक्ष्य है ।

विस्तार-क्षेत्र:

चित्रकूट और बांदा जिलों के अलावा हमने उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड के हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर जिलों में भी काम किया है। संगठन के काम ने इलाहाबाद (अब प्रयागराज) और सोनभद्र जिलों के उन हिस्सों को छुआ है जो बुंदेलखंड क्षेत्र के समान हैं। इसके अतिरिक्त, हमने मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड के टीकमगढ़ जिले और उसी राज्य के अनूपपुर जिले में भी काम किया है। वर्तमान में, हम उत्तर प्रदेश के 9 जिलों (बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, बदायूं, शाहजहांपुर, काशीरामनगर, काशगंज, इटावा, फर्रुखाबाद) में काम कर रहे है परन्तु मुख्य रूप से बाँदा, चित्रकूट व मध्य प्रदेश के सतना जनपदों में समुदाय आधारित कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। इसी वर्ष फरवरी में सतना जनपद (मध्य प्रदेश) के मझगवां विकास खण्ड में 30 गाँवों में काम शुरू किया है ।

एक नजर में संस्थान के प्रयास-

1. संस्कार केन्द्रों के माध्यम से बच्चों को सुसंस्कारित करना
2. गौशाला के माध्यम से देशी गायों का संरक्षण, संवर्धन तथा नस्ल सुधार
3. गौ आधारित प्राकृतिक खेती को बढ़ावा- बीज वितरण, प्रशिक्षण
4. बंधुआ मजदूरों का पुनर्वास
5. जलवायु आधारित खेती
6. प्राकृतिक संसाधनों की मरम्मत तथा प्रबंधन
7. मेडबन्दी, तालाब जीर्णोद्धार तथा दोहा मॉडल
8. तपोवन- बागवानी (फल और औषधीय पौधा) मॉडल
9. महिला सशक्तिकरण (गृह वाटिका)
10. सामाजिक समर्थन और परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना
11. बुन्देलखण्ड की लोक विधाओं का संरक्षण व संवर्धन
12. बालिकाओं की उच्च शिक्षा- सांस्कृतिक, प्राकृतिक बैभव वृद्धि
13. शास्त्रीय संगीत ध्रुपद, पखावत आदि को बढ़ावा देना

CERTIFIED COPY

Akhil Bharatiya Samaj Sewa Sansthan
Director
Chitrakoot

संस्कार केन्द्रों के माध्यम से बच्चों को सुसंस्कारित करना

शिक्षा- भारत माता बाल अभ्युदय केंद्र :

प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को ध्यान में रखते हुए, जहां आंगनवाड़ी अभी भी स्थापित या सक्रिय नहीं हैं, हम प्राथमिक और उच्च प्राथमिक के लिए प्रारंभिक बचपन शिक्षा केंद्र और सहायता कक्षाएं लागू कर रहे हैं। कुल 10 भारत माता बाल अभ्युदय केंद्र कार्यान्वित किए जा रहे हैं, जहां 3 वर्ष से 6 वर्ष की आयु के 330 बच्चों ने नामांकन किया है। साथ ही 270 बच्चों को सहायता कक्षाएं प्रदान करने के लिए नामांकित किया गया है। हम अलग-अलग गतिविधियों जैसे खेल, कहानी सुनाना, मानचित्र आदि के माध्यम से बच्चों के विकास के सभी पहलुओं जैसे साक्षरता, संख्यात्मकता, संज्ञानात्मक, सामाजिक भावनात्मक, शारीरिक विकास को ध्यान में रखते हुये पाठ्यक्रम को तैयार करके इन केन्द्रों में क्रियान्वित कर रहे हैं।

गौशाला के माध्यम से देशी गायों का संरक्षण, संवर्धन तथा नस्ल सुधार :

हम गौशाला (दुग्धि गौशाला) की स्थापना के माध्यम से देशी गायों का संरक्षण, संवर्धन, नस्ल सुधार तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगातार प्रयासरत हैं।

1. राठी बैल से लगभग 140 किसानों ने अपनी गायों को गर्भवती किया।
2. गोबर तथा गौमूत्र से जीवामृत, घन-जीवामृत, नीमास्त्र तथा ब्रह्मास्त्र आदि तैयार किये जा रहे है।
3. हम लगातार किसानों से बात करके बिक्री हेतु प्रयास कर रहे है।

CERTIFIED COPY
Akhil Bhartiya Samaj Sewa Sansthan
Director
Chitrakoot

बंधुआ मजदूरों का पुनर्वास:

वर्तमान में, बुन्देलखण्ड से सर्वाधिक संख्या में मजदूर परिवार आजीविका हेतु दूसरे राज्यों में पलायन हेतु मजबूर है। वहां कभी- कभी उन परिवारों का शोषण भी होता है, मारपीट भी होती है। ऐसी स्थितियों में मजदूरों को विभिन्न संस्थाओं तथा सरकारी विभागों के सहयोग से सहायता पहुंचाने का काम करते हैं। कार्यक्रम के अन्तर्गत, संस्थान 363 परिवारों के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण, आवास, सुरक्षा तथा मानसिक तंदुरुस्ती जैसे महत्वपूर्ण डोमेन्स में काम कर रहा है।

यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के 9 जनपदों में 363 परिवारों के साथ संचालित कर रहे हैं ।

1. चित्रकूट 2. बाँदा 3. कौशाम्बी 4. इटावा 5. कासगंज 6. बदाऊँ 7. शाहजहाँपुर 8. फर्रुखाबाद 9. देवरिया।

ग्राम प्रधान के साथ बैठक @ नांदी, पहाड़ी

कमजोर परिवारों के लिए गृह भ्रमण

ग्राम प्रधान के साथ बैठक @ कमासिन, बाँदा

मानव तस्करी के खिलाफ पंचायत @ बगलई

CERTIFIED COPY

Akhil Bharatiya Samaj Sewa Sansthan
Director
Chitrakoot

PaHT सदस्यों के साथ बैठक @बगलई (चित्रकूट)

नेतृत्व क्षमता विकास प्रशिक्षण

मुख्य गतिविधियाँ :

1. बच्चों का सरकारी स्कूलों में पंजीयन तथा युवाओं को कौशल विकास से जोड़ना (स्कूल पंजीयन- 226, कौशल विकास- 62)

2. KYC (जैसे- आधार कार्ड, पैन कार्ड, श्रम कार्ड, बैंक अकाउंट, राशन कार्ड, जॉब कार्ड आदि) बनवाना| (लाभान्वित मजदूर- 432)

3. BLR योजना (Bonded Labour Rehabilitation Scheme) के तहत प्रारंभिक नगद सहायता दिलाना| (लाभान्वित मजदूर- 118)

4. गृह भ्रमण के द्वारा परिवार का प्रारम्भिक आकलन (Initial Assessment) तथा परिवार के साथ बात करके परिवार विकास नियोजन (FDP- Family Development Plan) बनाना | (सभी परिवारों का)

5. विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ना| (लाभान्वित परिवार- 192)

6. विभिन्न श्रमिक संगठनो का गठन जैसे- PaHT, PWC, Student Group, RBLA आदि| (PaHT- 03, PWC-03 & Student ग्रुप- 01)

7. विधिक जागरूकता तथा नेतृत्व क्षमता विकास (विधिक जागरूकता अभियान- 10 गाँवों में, नेतृत्व क्षमता विकास प्रशिक्षण- 1)

CERTIFIED COPY

Akhil Bhartiya Samaj Sewa Sansthan
Director
Chitrakoot

महिला सशक्तिकरण (गृह वाटिका):

संस्थान ने न्यूनतम तकनीकी संसाधनों के साथ भूमि के एक छोटे से हिस्से पर किचन गार्डन की स्थापना और रखरखाव किया; इसलिए, ये उद्यान ग्रामीण संसाधन गरीब समुदायों को पूरक खाद्य उत्पादन में नवाचारों के साथ-साथ उनकी आजीविका में सुधार करने का अवसर प्रदान करते हैं। विशेष रूप से महिलाओं के प्रयास इन उद्यानों के प्रबंधन में विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाते हैं। ग्रामीण परिवारों की ये महिला सदस्य फसल के नुकसान और अन्य नकारात्मक प्रभावों से आसानी से लड़ती हैं। ये प्रयोग पर्यावरण को अनुकूल भी बनाती हैं।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा- बीज वितरण:

संस्थान ने गौ आधारित प्राकृतिक खेती की पहल की और प्राकृतिक खेती की प्रथाओं को पुनर्जीवित करने के लिए किसानों को प्रेरित कर रहे है। हमने इस वर्ष 450 किसानों के साथ Demonstration किया है साथ ही 3000 किसानों ने प्राकृतिक खेती की तकनीकों को अपना रहे है । प्राकृतिक खेती का कार्यक्रम मानिकपुर विकास खण्ड के 28 गांवों में संचालित है इसके माध्यम से अगले पांच वर्षों में 20000 किसानो तक पहुचने का लक्ष्य है।

CERTIFIED COPY

Akhil Bharatiya Samaj Sewa Sansthan
Director
Chitrakoot

जलवायु आधारित खेती:

प्राकृतिक कृषि केंद्र-

15 सक्रिय प्राकृतिक केंद्र (पाटिन, जमुनिहाई, अमचुरनेरुआ, नागर, चुरेह केसरुआ, ऐलहा बढ़ईया, सकरौन्हा, गिदुरहा, रानीपुर, रुखमा खुर्द, रुखमा बुजुर्ग, कैलहा, ददरी माफ़ी, रानीपुर, जमरेही) में प्राकृतिक खाद एवं जैविक कीटनाशी (घन जीवामृत, द्रव जीवामृत, नीमाश्त्र, अग्नेयाश्त्र, ब्रम्हाश्त्र, दस्परणी अर्क) का निर्माण, प्रयोग एवं विक्रय को बढ़ावा दिया जा रहा है।

बहुस्तरीय खेती (Multilayer Farming)-

- 30 गांवों के 75 किसानों के साथ 4 परती सब्जी खेती का कार्य।
- परत 1- जमीन के अन्दर हल्दी, अदरक, मूली, गाजर।
- परत 2- जमीन के ऊपर धनिया, पालक, लाल भाजी, चौलाई, गोभी।
- परत 3- जमीन के ऊपर टमाटर, भिन्डी आदि।
- परत 4- ऊपर जाकर फैलने वाली ननुवा, तरोई, करेला, लौकी, खीरा आदि

बीज बैंक-

किसानों को उन्नतशील, देशी बीजों की उपलब्धता हेतु 03 बीज बैंक मानिकपुर, बहिलपुरवा एवं बिगहना (बाँदा) में स्थापित किया गया है। इस वर्ष 2023 में 13 बीज बैंकों की स्थापना की जाएगी।

प्राकृतिक खादों का निर्माण

घन जीवामृत- निर्माण: 470 कुं०

द्रव जीवामृत- निर्माण: 22220 ली०

नीमाश्त्र/दस्पर्नी-निर्माण: 5470 ली०

प्राकृतिक खादों की बिक्री

CERTIFIED COPY
Akhil Bharatiya Samaj Sewa Sansthan
Director
Chitrakoot

घन जीवामृत- बिक्री : 207 कुं०

द्रव जीवामृत- बिक्री : 9139 ली०

नीमाश्त्र/दस्पर्नी- बिक्री: 805 ली०

प्रभाव / परिणाम :

- 20 प्राकृतिक कृषि केन्द्रों से 2820 किसानों ने प्राकृतिक खादों एवं कीटनाशकों का लाभ लिया
- प्राकृतिक केंद्र सकरौन्हा की महिला किसान ने प्राकृतिक खादों को बेचकर, 40000 रु० अर्जित किये
- बहुस्तरीय खेती से किसान राम विश्वास टिकरिया ने वर्ष में रु 20500 एवं कैलहा के अयूब अली ने रु 19000 अतिरिक्त कमाए
- 20 किसानों ने पहली बार हल्दी की खेती की और 5 किसानों का उत्पादन 2 कुंतल प्रति बीघा आया
- कार्यक्रम से 3376 किसानों ने प्रत्यक्ष रूप से लाभ लिया

प्राकृतिक संसाधनों की मरम्मत तथा प्रबंधन:

निर्माण/मरम्मत:

- टिकरिया एवं जमुनिहाई गाँव में 02 छोटे चेकडैम निर्माण
- 16250 घन मीटर अतिरिक्त जल भराव
- 25 किसानों के 30 एकड़ खेतों को सिंचाई की व्यवस्था
- टिकुरी और टिकरिया में 2 बड़े चेकडैमों की मरम्मत
- टिकुरी में पेयजल हेतु नये बोरेबेल की स्थापना
- 13 गाँव के 58 हैण्डपम्पों की मरम्मत
- 820 परिवारों तक पेयजल के माध्यम से पहुँच

तालाब पुनरुद्धार

- दराई गाँव- खम्भैली तालाब, ऐलहा बढईया गाँव- आदर्श एवं पोखरी, सिगवा(कोटा कंदैला) गाँव- पोखरा तालाब, सकरौन्हा गाँव- पोखरी तालाब, कटरा(गिदुरहां) गाँव- पोखरा तालाब, टिकरिया जमुनिहाई गाँव-गढ़ी तालाब, कुल 7 तालाबों से इस वर्ष 350 किसानों ने 570 एकड़ क्षेत्र की सिंचाई की है |

CERTIFIED COPY

Director
Akhil Bhartiya Samaj Sewa Sansthan, Chitrakoot

दोहा माडल-

- दराई, ऐलहा, बढ़ईया, सकरौन्हा, गिदुरहा,टिकरिया, सिगवा, पाटीन, रुखमा खुर्द आदि 12 गाँव के 19 परम्परागत नालों में 514 दोहा मॉडल का निर्माण
- 52843940 लीटर जल की अतिरिक्त वृद्धि हुई
- दोहों की औसत लम्बाई-30 मीटर, चौडाई-5, मीटर, गहराई– 1.25 मीटर
- लाभार्थी किसानों की संख्या- 790

जल ग्रहण क्षेत्र उपचार-

- कार्य का नाम- मेडबंदी, पत्थर जल निकास, पक्के जल निकास
- कुल उपचारित क्षेत्र- 275 एकड़
- कुल लाभान्वित किसान- 113
- गाँव का नाम- ऐलहा बढईया, अमचुर नेरुआ, भेडा ,मारकुंडी, टिकरिया, जमुनिहाई
- मेडबंधी (Field Bunding)- क्षेत्रों के 108 किसानों को लाभान्वित करते हुए 140 हेक्टेयर या 322 एकड़ कृषि भूमि क्षेत्र में मेडबंधी का कार्य पूरा हो गया है। इससे मिट्टी का कटाव कम हुआ है और नमी मिट्टी में संरक्षित है।

मुख्य प्रभाव:

CERTIFIED COPY

Akhil Bhartiya Samaj Sewa Sansthan Director Chitrakoot

- दोहा माडल में सवा तीन करोड़ लीटर जल की अधिक बढ़ोत्तरी हुई।
- तालाब एवं दोहा माडल से 733 किसानों ने 1020 एकड़ खेती की सिंचाई की।
- संस्थान के तालाब सिल्ट खुदाई कार्य से प्रभावित होकर जिला प्रशासन ने पूरे जिले में संस्थान की क्रियान्वयन प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए 62 तालाबों की सिल्ट खुदाई कर किसानों को सिल्ट दिया।
- तालाब एवं दोहा माडल से कुल 60 कुओं का जल स्तर डेढ़ से चार फीट तक बढा है ।

तपोवन- बागवानी (फल और औषधीय पौधा) मॉडल:

नैनो बागवानी -

- प्रगति- 150
- कुल क्षेत्रफल-21750 वर्ग मीटर = 12 एकड़
- कुल पौधे– 2410
- पौधों की प्रजाति- 7 (आम, आंवला, नींबू, अमरुद, सहजन, सीताफल, कटहल)
- जीवितता दर- 72 % (583)

व्यक्तिगत वृक्षारोपण:

- 6400 पौधे
- कुल लाभार्थी किसान-180

किसान उत्पादक संगठनों का गठन एवं विस्तार:

किसानों के टिकाऊ विकास तथा आय में वृद्धि हेतु हमने मानिकपुर ब्लाक में दो किसान उत्पादक संगठनों का गठन किया है।

हमारा लक्ष्य:

वर्ष 2024-25 में प्रदूषण मुक्त मानव बाल प्रकृति, शिक्षा के प्रति चेतना, मातृ शक्ति की समस्याओं का समाधान, किशोर जीवन की कठिनाइयों के प्रति जागरूकता, प्राकृतिक खेती आदि पर व्यापक कार्य किया जाएगा। आदिवासी बच्चों (लड़के और लड़कियों) को उच्च शिक्षा की ओर ले जाने के सपने के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं।

संगठन का मानना है कि आदिवासी बच्चे अक्सर उच्च शिक्षा से वंचित रहते है, खासकर लड़कियों को, उनके लिए आवासीय व्यवस्था देना एक श्रेष्ठ कर्म होगा। यह एक कठिन लेकिन साध्य कार्य है। देश के सभी समुदाय एक साथ आगे बढ़ेंगे तभी समग्र विकास का सपना पूरा होगा।

CERTIFIED COPY

Director
Samaj Sewa Sansthan
Chitrakoot